NBT
नवभारत टाइम्स
बुधवार, 29 जनवरी 2025

कोचिंग इंडस्ट्री का ग्राफ अब क्यों ढलान पर?

- कई सेंटर्स के बंद होने से एग्जाम से ठीक पहले मझधार में फंसे स्टूडेंट्स, आगे क्या उपाय
- कोविड के बाद से 2023 तक बूम पर थी कोचिंग इंडस्ट्री, इनसे GST कलेक्शन लगातार बढ़ रहा था

Bhupender.Sharma
@timesofindia.com

देश के नामी कोचिंग संस्थानों की चेन में से एक FIITJEE आजकल चर्चा में है। छात्रों और पैरंट्स ने दिल्ली-एनसीआर समेत देश के कई हिस्सों में सेंटर अचानक बंद होने के खिलाफ आवाज उठाई है और मामला पुलिस के संज्ञान में भी लाया गया है। जब बोर्ड एग्जाम सिर पर है, इंजीनियरिंग टेस्ट जेईई मेन का पहला फेज चल रहा है, मेडिकल समेत दूसरे एग्जाम की तैयारी का यह सबसे निर्णायक समय है, ऐसे समय में अगर छात्र का एक दिन भी बर्बाद होता है तो यह छात्रों के लिए चिंता की बात तो है ही।

पीतमपुरा की एम. एम. पब्लिक स्कूल की प्रिंसिपल रूमा पाठक कहती हैं कि जो एंट्रेंस टेस्ट का पैटर्न है, उसमें एनसीईआरटी की किताबों की बड़ी भूमिका है। कोचिंग करने वालों को स्कूल की पढ़ाई को कभी नहीं छोड़ना चाहिए।

डमी स्कूल, बिल्डिंग बायलॉज का उल्लंघन, ज्यादा फीस: डमी स्कूलों का बढ़ता कल्चर देश के सामने आया, जिसके बाद सीबीएसई ने कार्रवाई करनी शुरू की। राजस्थान के कोचिंग हब - कोटा और सीकर के थे। कोचिंग संस्थान ऐसे स्कूलों से मिलकर छात्रों का पंजीकरण करवा देते थे, छात्र की हाजिरी स्कूल में लगती रहती और क्लास कोचिंग में होती रही। बिल्डिंग बायलॉज को पूरा न करने के चलते कोचिंग संस्थानों में छात्रों की संख्या कम होती गई। इसका असर यह हुआ कि सेंटरों ने फीस बढ़ा दी और बच्चों की संख्या और कम हुई।

क्या है हालिया मामला

हालिया मामला FIITJEE के कई सेंटर बंद होने के आरोपों से जुड़ा है। FIITJEE ने सफाई दी है कि उसने खुद किसी भी सेंटर को बंद करने का फैसला नहीं लिया है। सेंटर मैनेजिंग पार्टनर का पूरी टीम के साथ रातों रात अचानक सेंटर को छोड़ देना ही इस स्थिति का कारण है। दावा किया गया है कि कंपनी सेंटर चलाने के लिए कोशिशें कर रही है।